Rajbhawan Uttarakhand-Information Wing
Press Note

Governor Greets people on Gandhi Jayanti and Shastri ji's Jayanti

Raj Bhawan, Dehradun, 1st October, 2016

Uttarakhand Governor Dr.K.K.Paul has wished the people of the state on the occasion of the birth anniversary of Mahatma Gandhi and former prime minister Lal Bahadur Shastri.

Paying rich tributes to their memory, the Governor said that Gandhi Jayanti, the birth anniversary of the father of the nation , known for his message of peace and non-violence in the entire world, was being celebrated as Ahimsa Diwas all over the world since the year 2007. He said that Gandhi ji became a source of inspiration for the entire world not only by his words but also by his conduct. He showed the world the path of non-violence. "This is not only a matter of pride for us but also the reason for us to resolve to fulfill those responsibilities and dreams for which Mahatma Gandhi and numerous freedom fighters struggled to fight against British rule to get freedom for our country".

The Governor said in his message that "Bapu" had begun the freedom movement with the objective that each citizen of the free country, even the last person in the line, should get an equal right over the development and progress of the country. "We have come a long way towards this but a lot still remins to be done".

"Come! Let us pay our true tribute to Gandhi ji,on his 147th birth anniversary, by resolving to free our society from the unrest and differences arising from inequality, ignorance and intolerance," said the Governor.

He said that Lal Bahadur Shastri , born on this day in the year 1904,had given us the slogan of "Jai Jawan, Jai Kisan" in 1965 with the aim of making our soldiers and farmers determined towards their goals to make the country self-sufficient.The simple, patriotic and inspiring personality of Shastri ji will always be relevant and worth emulating.

----------0----------

OSD, Press to Governor, Uttarakhand Mob- 9456590619 Teli fax 05942–235001–2

गाँधी' जी व 'शास्त्री' जी की जयन्ती की पूर्व संध्या पर जारी उत्तराखण्ड के नागरिकों के नाम राज्यपाल डॉ0 कृष्ण कांत पाल का बधाई संदेश

राजभवन देहरादून, दिनांक 01 अक्टूबर, 2016

'' राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती के अवसर पर आप सबको बधाई एवं शुभकामनायें।

अपने विचार और व्यवहार से संपूर्ण विश्व के लिए शांति, सच्चाई और अहिंसा के पथप्रदर्शक व प्रेरणा स्रोत बन चुके 'महात्मा गाँधी' का जन्मदिन 2007 से दुनिया भर में 'अहिंसा दिवस' के दिन में मनाया जा रहा है। यह हमारे लिए न केवल गौरव की बात है बल्कि उन जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लेने का सबब है जिनके लिए महात्मा गाँधी सहित देश के अंसख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने विदेशी हुकूमत से भारत को आजादी दिलाने के लिए संघर्ष किया।

'बापू' ने देश की आजादी का आन्दोलन इस उद्देश्य से छेड़ा था कि आजाद भारत का प्रत्येक नागरिक देश की उन्नति और विकास का समान रूप से हकदार बन सके, अंतिम पंक्ति का अंतिम व्यक्ति भी राष्ट्रनिर्माण में अपनी आवाज की कीमत को महसूस कर सके। इस दिशा में हमारे प्रयास जारी हैं किन्तु अभी और बहुत कुछ किये जाने की जरूरत है।

आईये! बापू की 147 वीं जयन्ती पर समाज में व्याप्त असमानता, अज्ञानता व असहिष्णुता से उत्पन्न अशांति और मतभेदों से मुक्ति का संकल्प लेते हुए 'महात्मा गाँधी' के सपनों के राष्ट्र निर्माण तथा देश की आन–बान–शान की सुरक्षा में अपनी भागीदारी तय करके उनके प्रति सच्ची श्रद्धा व सम्मान व्यक्त करें।

आज के ही दिन 1904 में जन्मे देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 लाल बहादुर शास्त्री ने 1965 में देश के जवानों व किसानों को कर्म–निष्ठा के प्रति दृढ़ रहने और खाद्यान्न में देश को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'जय जवान–जय किसान' का नारा दिया था। सादगी, सरलता, देशभक्ति और ईमानदारी से परिपूर्ण महान विभूति का प्रेरक जीवन–आचरण सदैव प्रासंगिक रहेगा।''

जय हिन्द!

.....0.....

OSD, Press to Governor, Uttarakhand Mob- 9456590619 Teli fax 05942–235001–2